श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं जानना चाहता हूं कि जब से आपने यह तय किया है कि जो चीज हम यहां तैयार कर सकते हैं वह विदेशों से नहीं मंगायेंगे, तब से आपने कितने प्रतिशत प्रगति की है ? क्या यह भी सही है कि जो चीज यहां तैयार होती है वह भी काफी मात्रा में आज भी विदेशों से मंगाई जाती है ? इसको आगे के लिये रोकने के लिये आप ने क्या कार्रवाई की है ? क्या आप का एग्रीमेंट है कि इतने साल तक आप सामान बाहर से लेंगे, और जब चीज यहां तैयार होती है तो उसको बाहर से क्यों मंगाया जाता है ?

श्री फखरुद्दीन अली अहमद : इससे पहले मैंने कहा कि हम सिर्फ उन्हीं चीजों को इम्पोर्ट करते हैं जिन में बिल्कुल ऐड का सवाल है और जो कि उस वक्त इसमें दाखिल की गई थीं जब कि पहले कंट्रेक्ट वगैरह हुये थे। आइन्दा जो कंट्रेक्ट वगैरह हो रहे हैं उन में हम उन चीजों को इम्पोर्ट नहीं करेंगे जो हमारे मुल्क में पैदा होती हैं। जो थोड़े-से आइटम रह गये हैं उन पर हम हर महीने गौर करते हैं और भारत के आइटम बढ़ाते जा रहे हैं।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैंने पूछा था कि कितने प्रतिशत प्रगति की ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

INDO-CEYLON COLLABORATION

*423. SHRI MOHAN SWARUP : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that India and Ceylon have agreed to co-operate in the field of shipping, ship-building, textiles, electricity and port facilities;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the manner in which the two countries propose to cooperate ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : (a) No such decision has been taken so far.

(b) and (c). Do not arise.

INDUSTRIAL POLICY RESOLUTION

*428. DR. RANEN SEN : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under consideration to revise the Industrial Policy Resolution of 1956; and

(b) if so, the changes proposed to be made in the Resolution ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) and (b). The question whether the Industrial Policy Resolution of 1956 would require to be amended or amplified is under Government's consideration.

भारतीय माल का गुण-प्रकार

*429. **श्री ओ० प्र० त्यागी** : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में निर्मित अधिकतर वस्तुएं विदेशों में निर्मित वस्तुओं की तुलना में घटिया गुण-प्रकार की हैं, जिसके परिणामस्वरूप देश में भारतीय वस्तुओं की अपेक्षा विदेशी वस्तुओं की मांग अधिक है; और

(ख) यदि हां, तो भारतीय वस्तुओं के गुण-प्रकार को सुधारने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) जी, नहीं । कुछ उपभोक्ता वस्तुओं को छोड़कर जिनका उत्पादन देश में इन्हें निम्न प्राथमिकता दिये जाने के कारण अभी पर्याप्त रूप से नहीं हो रहा है, देश के अन्य उत्पादों के घटिया किस्म के होने की कोई भी शिकायतें नहीं मिली हैं।

(ख) भारतीय उत्पादों की किस्म को बनाए रखने का सुनिश्चय करने के लिए सरकार भारतीय मानक संस्था तथा अन्य सम्बद्ध संस्थाओं के जरिये उनके विशिष्ट

विवरणों को निरन्तर कायम रखने तथा उनके पालन का ध्यान रखती रही है। उत्पादकों को उनके कारखानों में किस्म नियन्त्रण तथा निरीक्षण विभागों की स्थापना करने की दिशा में उनका पथ-प्रदर्शन किया जाता है तथा सहायता दी जाती है ताकि निर्धारित मानकों तथा किस्म को बनाए रखने का सुनिश्चय किया जा सके।

EXPORT OF PROCESSED FOODSTUFFS

*430. SHRI R. BARUA : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) the names of countries to which India is exporting processed food preparations and the nature thereof;

(b) the value of processed food products exported to each country during the year 1967;

(c) the amount of foreign exchange earned therefrom during the above period; and

(d) whether Government have taken any steps to provide facilities to the exporters to boost exports of processed foodstuffs ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-342/68].

STOCK OF YARN WITH TEXTILE MILLS

*431. SHRI P. GOPALAN :
SHRI K. RAMANI :
SHRI A. K. GOPALAN :

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that huge stocks of yarn have accumulated with the textile mills in the Southern region;

(b) if so, total quantity thereof;

(c) whether this has created crisis in the textile mills; and

(d) if so, the steps taken by Government in the matter ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) and (b). The production of yarn in the mill sector in the Southern region comprising of Madras, Andhra Pradesh, Mysore, Kerala and Pondicherry is about 2.25 crores kilograms per month. The stocks at the end of August, September, October, November and December, 1967, were 1.14, 1.23, 1.12, 1.01 and 1.23 crores kilograms respectively. These stocks, which represent about a fortnight's production, are not considered alarming.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

EUROPEAN COMMON MARKET

*432. SHRI CHENGALRAYA NAIDU :
SHRI ANBUCHEZIAN :
SHRI DEIVEEKAN :

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the European Common Market has introduced several measures to ease trade with the developing countries particularly with India and Pakistan;

(b) if so, the measures thereof;

(c) how far India will be benefited by these measures; and

(d) the steps which have been taken by Government to utilize the concessions offered by the European Common Market ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : (a) No, Sir.

(b) to (d). Do not arise.

EDUCATIONAL FACILITIES FOR CHILDREN OF RAILWAY EMPLOYEES

*433. SHRI B. K. DASCHOWDHURY : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether educational facilities are provided for the children of railway employees serving at remote places where there are no schools nor colleges;